LIBRARY

SE – 345

II Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, June/July 2026
(SEP 2024 – 25)
HINDI LANGUAGE – II

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए : (10×1=10)

1) कबीरदास के शरीर में किसका वास है ?

2) तुलसीदास के अनुसार शरीर क्या है ?

3) श्री कृष्ण की मूरली किसकी तरह दिखती है ?

4) मातृभूमि का वस्त्र किसे कहा गया है ?

5) मातृभूमि का जल किसके समान बताया गया है ?

6) जो व्यक्ति आज का कार्य आज ही करता है, उसे क्या कहते हैं ?

7) पंथ होने दो अपरिचित कवयित्री का नाम लिखिए ।

8) 'टूटा पहिया' कविता में कवि अपने आपको किससे तुलना करता है ?

9) तारों के टूटने पर अम्बर क्या नहीं करता है ?

10) मिट्टी की सादगी की तुलना किससे की गई है ?

II. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो का ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (2×7=14)

1) जैसे माया मन रमैं, तैसो नाम रमाय ।
तारा मंडल बेधिकै, तब अमरापुर जाय ।।

2) निर्मल तेरा नीर अमृत के से उत्तम है ।
शीतल मंद सुगंध पतन हर लेता श्रम है ।।
षट्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है ।
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है ।।

P.T.O.

Scanned with OKEN Scanner

LIBRARY
INSTITUTE OF BUSINESS STUDIES
BANGALORE-54

3) जीवन में वह था एक कुसुम, थे उसपर नित्य निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया, मधुवन की छाती को देखो ।
सूखी कितनी इसकी कलियाँ, मुर्झाई कितनी बल्लरियाँ
जो मुर्झाई फिर कहाँ खिली, पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुवन शोर मचाता है, जो बीत गई सो बात गई ।।

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** का उत्तर लिखिए : **(2×15=30)**

1) 'टूटा पहिया' कविता में टूटा पहिया कहता है कि मैं टूटा हुआ हूँ, लेकिन मुझे मत फेंको । इस कथ्य के आधार पर 'टूटा पहिया' के महत्व को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।

2) "मनुष्य के जीवन में कोई भी वस्तु स्थाई नहीं होता । पाना-खोना, मिलना-बिछड़ना, जीवन-मृत्यु आदि एक चक्र की तरह मनुष्य के जीवन में हमेशा चलती रहती है ।" जो बीत गयी नामक कविता के आधार पर मनुष्य के जीवन के संघर्ष को लिखिए ।

3) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित कविता कर्मवीर का सारांश लिखते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

IV. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणि कीजिए : **(1×6=6)**

1) मिट्टी की महिमा

2) मातृभूमि

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** वैज्ञानिक का परिचय लिखिए : **(1×10=10)**

1) चक्रवती जी. रंगराजन

2) सी. एन. आर. राव

VI. संक्षेपण कीजिए : **(10×1=10)**

ऋतुराज बसन्त के आगमन से ही शीत का भयंकर प्रकोप भाग गया । पतझड़ में पश्चिम के पवन ने जीर्ण-शीर्ण पन्नों को गिराकर पेड़-पौधों को स्वच्छ और निर्मल बना दिया । वृक्षों और लताओं के अंग में नूतन पत्तियों के खिलने से यौवन की मादकता छा गयी । शीतकाल के ठिठूरे अंगों में नयी फुरती उमड़ रही है तथा बसन्त के आगमन के साथ ही जैसे पुरानापन और पुरातन का प्रभाव छिप गया है । प्रकृति के कण-कण में नया जीवन का संचार हो गया है । आम के मंजरियों की गंध और कोमल का आवाज़, भँवरों का गुंजन सब ऐसा लगता है जैसे जीवन में सुख ही सुख है । यह आनन्द के एक क्षण का मूल्य पूरे जीवन को अर्पित करके भी नहीं चुकाया जा सकता है । प्रकृति ने बसन्त के आगमन पर अपने रूप को इतना संवारा है और रचा है कि उसकी शोभा का वर्णन करना असंभव है ।

Scanned with OKEN Scanner